नाखून क्यों बढ़ते है ?नामक निबंध में आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी का मानववादी दृष्टिकोण उभरकर सामने आया है। द्विवेदीजी एक प्रख्यात लेखक और निबंधकार थे। उनका एक ललित निबंध है। इस निबंध के माध्यम से बार-बार कटे जाने पर भी बढ़ जाने वाले नाखून के बहाने अत्यंत सहज शैली में सभ्यता और संस्कृति की विकास गाथा को उद्घाटित किया है। एक ओर नाखूनों का बढ़ना मनुष्य की आदिम पाशविक वृति और संघर्ष चेतना का प्रमाण है। दूसरी ओर नाखूनों को बार- बार काटते रहना और अलंकृत करते रहना मनुष्य के सौंदर्यबोध और सांस्कृतिक चेतना को भी निरूपित करता है।

नाखून क्यों बढ़ते है एक ललित निबंध है जिसमे भारतीयता ,उसकी महत्ता। यहाँ के लोगों की सामाजिक व्यवस्था ,राजनितिक चित्तं ,रहन-सहन ,भाषा -ज्ञान ,संस्कृतिक अभ्युत्थान ,पर सम्यक रूप से प्रकाश डाला गया है। इसमें राष्ट्र ,राष्ट्र की सभ्यता और संस्कृति पर विहंगम रूप से विचार किया गया है।

Scanned with CamScanner

लाखों वर्ष पहले जब मनुष्य जंगली और सभ्यता या यह माना जाए वनमानुष जैसा था। उसे अपने जीवन यापन के लिए नाखूनों की जरूरत होती थी क्योंकि जीवन की रक्षा के लिए नाखून बहुत ही जरूरी अस्त्र थे। उस समय नाखून उनके जीवन में महत्वपूर्ण अस्त्र हुआ करता था।

मनुष्य विकास करता गया और नए नए औजारों और हथियारों को उसने खोज डाला। आज मानव ने तरह तरह के अस्त्र-शस्त्र बना लिए हैं लेकिन उसके नाखून अब भी बढ़ रहे हैं।

प्रकृति भी मनुष्य को उसके भीतर वाले अस्त्र से वंचित नहीं कर रही है अभी वह याद दिला रही है कि तुम्हारे नाखून को भुलाया नहीं जा सकता तुम वही लाख वर्ष पहले के नाखून और दांत ओं पर निर्भर रहने वाले जीव हो। नाखून बढ़ते रहते हैं और यह मनुष्य को याद दिलाते रहते हैं कि यह नाखून तुम्हारे पाशवी वृत्ति के जीवन का प्रतीक हैं।

Scanned with CamScanner

नाखून क्यों बढ़ते हैं कहानी हजारी प्रसाद द्विवेदी द्वारा लिखी गई है जो उनके बेटी द्वारा पूछे गए प्रश्न "नाखून क्यों बढ़ते हैं "पर आधारित है। नाखून हम सब मानव के शरीर के अंगों का एक हिस्सा है और यह प्राकृतिक रूप से बढ़ता है।

लेखक ने कहानी में ही बता दिया है कि एक समय में मानव बनमानस था जिसे लड़ने के लिए नाखून की आवश्यकता थी। वह नाखून से अपनी रक्षा करते थे। इसलिए नाखून को बदलते वक्त के साथ नहीं हटाया गया है मानव अंगों से।

नया हो या पुराना मानव अंग है उन्हीं बनमानस का जिनके पास नाखून थे । नाखून की जरूरत आपातकालीन स्थिति में पड़ती है इसलिए इन्हें काटने पर भी बढ़ जाती है।

Scanned with CamScanner